

21 अक्टूबर, 2026 को पंचकूला जिला के उपभोक्ताओं की बिजली सम्बन्धी शिकायतों की होगी सुनवाई

ओपन सर्व ब्यूरो, चंडीगढ़। उत्तर हरियाणा बिजली वितरण निगम उपभोक्ताओं को निर्बाध बिजली की आपूर्ति उपलब्ध करवाने के लिए प्रतिबद्ध है। उपभोक्ताओं की समस्याओं के त्वरित समाधान के लिए निगम द्वारा अनेक महत्वाकांक्षी कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं। उत्तर हरियाणा बिजली वितरण निगम सर्वकल फोरम पंचकूला के उपभोक्ता शिकायत निवारण मंच के चेयरमैन एवं सदस्य मंच की कार्यवाही दिनांक 21 अक्टूबर, 2026 (बुधवार) को सुबह 11.30 बजे से अधीक्षण अभियंता, पंचकूला के कार्यालय, एससीओ नंबर - 96 प्रथम तल, सेक्टर-5, पंचकूला में की जाएगी। इस दौरान केवल पंचकूला जिला के उपभोक्ताओं से सम्बंधित शिकायतों की सुनवाई की जाएगी। निगम के प्रवक्ता ने जानकारी देते हुए बताया कि मंच के सदस्य, पंचकूला जिले के उपभोक्ताओं की सभी प्रकार की समस्याओं की सुनवाई करेगे जिनमें मुख्यतः बिलिंग, वोल्टेज, मीटरिंग से सम्बंधित शिकायतें, कनेक्शन काटने और जोड़ने बिजली आपूर्ति में बाधाएं, कार्यकुशलता, सुस्था, विश्वसनीयता में कमी और हरियाणा बिजली विनियामक आयोग के आदेशों की अवहेलना आदि शामिल हैं। बहरहाल, मंच द्वारा बिजली अधिनियम की धारा 126 तथा धारा 135 से 139 के अंतर्गत बिजली चोरी और बिजली के अनधिकृत उपयोग के मामलों में दंड तथा जुर्माना और धारा 161 के अंतर्गत जांच एवं दुर्घटनाओं से सम्बंधित मामलों की सुनवाई नहीं की जाएगी। सभी उपभोक्ताओं से अनुरोध किया जाता है कि अपनी शिकायतों के निवारण के लिए इस अवसर का लाभ उठाएं।

मुनीमपुर के उत्कृष्टता केंद्र में होगा बागवानी और उन्नत तकनीकों पर पाँच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम

ओपन सर्व ब्यूरो,चंडीगढ़। हरियाणा के उद्यान विभाग के अंतर्गत आने वाले ‘पूष्प एवं बीज उत्पादन तकनीकी उत्कृष्टता केंद्र, मुनीमपुर (इज्जर)’ में किसानों के लिए एक विशेष पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम आगामी 26 अक्टूबर 2026 से 30 अक्टूबर 2026 तक आयोजित होगा, जिसका मुख्य विषय ‘बागवानी योजनाएं व उन्नत तकनीकों द्वारा फूलों की खेती’ पर प्रशिक्षण है। इस प्रशिक्षण सत्र में कुल 10 किसानों को भाग लेने का अवसर मिलेगा। एक सरकारी प्रवक्ता ने इस बारे में जानकारी देते हुए बताया कि इस पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लेने के इच्छुक किसान उद्यान विभाग, हरियाणा की आधिकारिक वेबसाइट http://kaushal.hortharyana.gov.in पर जाकर अपना ऑनलाइन नामांकन कर सकते हैं। पोटेंट पर ‘हले आओ-पहले पाओ’ के आधार पर सबसे पहले ऑनलाइन नामांकन करवाने वाले 10 किसानों को ही इस प्रशिक्षण में प्राथमिकता दी जाएगी। ऑनलाइन आवेदन करने की अंतिम तिथि 23 अक्टूबर 2026 को दोपहर 02:00 बजे तक निर्धारित की गई है। उन्होंने योजना की पात्रता और नियमों की जानकारी साझा करते हुए बताया कि आवेदक का हरियाणा राज्य का स्थायी निवासी होना अनिवार्य है तथा उसकी आयु 18 वर्ष से 60 वर्ष के बीच होनी चाहिए। इसके साथ ही, एक परिवार से केवल एक ही सदस्य इस प्रशिक्षण के लिए आवेदन कर सकता है।

समाधान शिविर में एडीसी राहुल रईया ने सुनी आमजन की समस्याएं

ओपन सर्व ब्यूरो, करनाल। एडीसी राहुल रईया ने कहा कि समाधान शिविर जनता की समस्याओं के निराकरण के लिए बेहतरीन मंच हैं। आमजन का समाधान शिविरों के प्रति विश्वास बढ़ा है। संबंधित अधिकारी समाधान शिविर में प्राप्त शिकायतों को गंभीरता से लें और प्राथमिकता के आधार पर समाधान सुनिश्चित किया जाए, ताकि आमजन को अनावश्यक परेशानियों का सामना न करना पड़े और बार-बार कार्यालय के चक्कर न लगाने पड़ें। एडीसी राहुल रईया ने सोमवार को लघु संचिवालय स्थित समाधान में आयोजित समाधान शिविर के दौरान आमजन की समस्याएं सुन रहे थे। उन्होंने कहा कि आमजन की समस्याओं के समाधान के लिए जिला मुख्यालय सहित सभी उपमंडल स्तरों पर हर सोमवार और बीसवार को प्रातः10 से 12 बजे तक समाधान शिविर आयोजित किए जा रहे हैं। आमजन इन निर्धारित दिनों पर समाधान शिविर में पहुंचकर समस्याओं का समाधान करवा सकते हैं। उन्होंने बताया कि सोमवार को आयोजित समाधान शिविरों में 8 समस्याएं प्राप्त हुई हैं जिन पर संबंधित विभागों के अधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए हैं। इनमें करनाल मुख्यालय पर 4 समस्याएं प्राप्त हुईं, घरौंडा, व इंद्री उपमंडल में एक-एक शिकायत प्राप्त हुई।

हरियाणा मातृशक्ति उद्यमिता योजना के तहत 5 लाख तक का ऋण : उपायुक्त

ओपन सर्व ब्यूरो, करनाल। उपायुक्त डॉ. आनंद कुमार शर्मा ने बताया कि हरियाणा सरकार द्वारा महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने और उनकी आर्थिक व सामाजिक स्थिति में सुधार लाने के लिए हरियाणा मातृशक्ति उद्यमिता योजना चलाई जा रही है, जिसके तहत बैंक के माध्यम से पांच लाख रुपए तक का ऋण उपलब्ध कराया जाता है। उन्होंने बताया कि हरियाणा सरकार ने महिला सशक्तिकरण की दिशा में हरियाणा मातृशक्ति उद्यमिता योजना शुरू की है। इस योजना का लाभ महिलाओं को केवल तभी प्रदान किया जाएगा जब उनकी परिभाषिक आय 5 लाख या फिर इससे कम हो, साथ ही महिला की आयु 18 से 60 वर्ष के बीच होनी चाहिए तथा वह पूर्व के किसी ऋण मामले में बकायादार नहीं होनी चाहिए। महिला का हरियाणा का निवासी होना अनिवार्य है। उन्होंने बताया कि योजना के माध्यम से महिलाओं को 5 लाख तक का ऋण 7 प्रतिशत ब्याज दर की छूट पर उपलब्ध कराया जाता है। इस ऋण के माध्यम से महिलायें स्वरोजगार स्थापित करके दूसरे लोगों को भी रोजगार प्रदान कर सकेंगी। उन्होंने बताया कि महिलाएं इस योजना के तहत ऋण लेकर यातायात वाहन के तहत अटो रिक्शा, छोटा सामान बेने के माध्यम, शी च्हीलर, ई रिक्शा, टैक्सी, सामाजिक व व्यक्तिगत सेवा गतिविधियों के तहत सैलून, ब्यूटी पार्लर, टेलरिंग, बुटीक, फोटोस्टेट की दुकान, पापड़ बनाना, अचार बनाना, हलवाई की दुकान, फूड स्टॉल, आइसक्रीम बनाने की यूनिट, बिस्कुट बनाा, टिफिन सर्विस, मिट्टी के बर्तन आदि बनाने का काम शुरू कर सकती हैं।

किसानों की शिकायत पर जांच कर कार्रवाई के निर्देश

ओपन सर्व ब्यूरो
करनाल। हरियाणा विधानसभा अध्यक्ष हरविन्द कल्याण ने आज शाम घरौंडा अनाज मंडी का दौरा कर धान खरीद व्यवस्था का जायजा लिया। दो किसानों को शिकायत पर मामले की जांच कर उचित कार्रवाई के निर्देश एसडीएम को दिए। उन्होंने प्रदेशवासियों को दशहरे की शुभकामनाएं दीं। माता रानी से क्षेत्रवासियों की सुख-समृद्धि व शांति की कामना की। श्री कल्याण हिमाचल प्रदेश के त्रिलोकपुर स्थित मां बाला सुरेरी मंदिर में मां भगवती के दर्शन कर शाम को सीधे घरौंडा अनाज मंडी पहुंचे। एक सप्ताह के भीतर उनका इस मंडी में यह दूसरा दौरा था। उन्होंने धान की खरीद और उठान के बारे में अधिकारियों से जानकारी ली। इसी दौरान रसीन गांव के प्रेम सिंह ने स्पीकर को बताया कि दस-बारह दिन से उनका धान मंडी में पड़ा

हरियाणा

राखीगढ़ी ऐतिहासिक स्थल हजारों वर्ष पुरानी पहचान, आत्मीयता और स्वाभिमान का प्रतीक : मुख्यमंत्री

ओपन सर्व ब्यूरो

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सैनी ने कहा कि राखीगढ़ी की मिट्टी में हमारे पुरखों के श्रम, हुनर और एक विकसित सभ्यता की स्मृतियां सुरक्षित हैं। यह ऐतिहासिक स्थल हमारी हजारों वर्ष पुरानी पहचान, आत्मीयता और स्वाभिमान का प्रतीक है। सरकार राखीगढ़ी के संरक्षण, अनुसंधान, पर्यटन और जनगोीदारी बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है। मुख्यमंत्री सोमवार को हांसी जिला के राखीगढ़ी में 7 दिवसीय ‘राखीगढ़ी महोत्सव- 2026’ के शुभारंभ अवसर पर संबोधित कर रहे थे। इस वर्ष महोत्सव की थीम ‘माटी से महोत्सव तक’ रखी गई है। इस अवसर पर विरासत एवं पर्यटन मंत्री डॉ. अरविंद कुमार शर्मा भी उपस्थित थे। मुख्यमंत्री नायब सैनी ने कार्यक्रम के दौरान राखीगढ़ी की ग्राम पंचायत की तरफ से दिए गए मांग पत्र को पुरा करने का आश्वासन भी दिया, साथ ही उन्होंने ग्राम पंचायत को 51 लाख रुपए दिए जाने की घोषणा भी की। इससे पहले मुख्यमंत्री नायब सैनी ने राखीगढ़ी में बना रहे संग्रहालय का अवलोकन किया।

उन्होंने महोत्सव में लगाई गई विभिन्न स्टॉल पर खरीदारी भी की तथा खेल गतिविधियों और साइट पर आयोजित अन्य गतिविधियों का जायजा लिया। मुख्यमंत्री ने पुरातत्व विभाग द्वारा लगाए गए खुदाई के डेगो का भी अवलोकन किया, जिसमें खुदाई की प्रक्रिया को समझने के साथ उस दौरान मिले अवशेषों को प्रदर्शित किया गया था। इस दौरान मुख्यमंत्री नायब सैनी, कैबिनेट मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा तथा हरियाणा के विरासत एवं पर्यटन विभाग के आयुक्त एवं सचिव डॉ. अमित अग्रवाल ने सील का भी अवलोकन किया। नायब सैनी ने अपने संबोधन में कहा कि राखीगढ़ी का यह महोत्सव हमें अपनी जड़ों को जानने और आने वाली पीढ़ियों के प्रति अपना दायित्व समझने का अवसर देता। ‘माटी से महोत्सव तक’ की थीम में हमारी सभ्यता की यात्रा समाई हुई है। यही माटी किसान के हाथों में आन बतती है, कुम्हार के हाथों में अकार लेती है और कलाकार के हाथों में संस्कृति की अभिव्यक्ति बन जाती है। उन्होंने कहा कि कुरुक्षेत्र ने मानवता



मुख्यमंत्री नायब सैनी की अध्यक्षता में हाई पावर्ड परचेज कमेटी और हाई पावर वर्क्स परचेज कमेटी की बैठक आयोजित



चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सैनी की अध्यक्षता में सोमवार को चंडीगढ़ स्थित हरियाणा निवास में हाई पावर्ड परचेज कमेटी तथा हाई पावर वर्क्स परचेज कमेटी की बैठक आयोजित की गई। बैठक में विभिन्न विभागों के खरीद एवं विकास कार्यों से संबंधित प्रस्तावों को मंजूरी प्रदान की गई। इन निर्णयों से प्रदेश में आधारभूत सुविधाओं को सुदृढ़ करने और जनसेवाओं को बेहतर बनाने में मदद मिलेगी। बैठक में परिवहन मंत्री अनिल बिजरा, शिक्षा मंत्री महिपाल ढांडा, सहकारिता मंत्री

डॉ. अरविंद शर्मा, कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्याम सिंह राणा, मुख्यमंत्री के मुख्य प्रधान सचिव राजेश खुल्लर, वित्त एवं योजना विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव सुधीर राजपाल, मुख्यमंत्री के उप प्रधान सचिव डॉ. यशपाल सहित संबंधित विभागों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक में परिवहन, बिजली, शिक्षा, पर्यावरण, सहकारिता, शहरी विकास, जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी, लोक निर्माण तथा सिंचाई एवं जल संसाधन सहित विभिन्न विभागों के प्रस्तावों को स्वीकृति दी गई। इनमें

बिजली वितरण व्यवस्था के आधुनिकीकरण, स्मार्ट ग्रिड परियोजनाओं, जलापूर्ति एवं सीवरेज सुविधाओं, वर्षा जल निकासी व्यवस्था, सड़कों के सुधार, शैक्षणिक संस्थानों के निर्माण तथा भंडारण क्षमता बढ़ाने से संबंधित कार्य शामिल हैं। बिजली वितरण प्रणाली को अधिक सुदृढ़ बनाने के लिए विभिन्न क्षेत्रों में 11 केवी फीडरों के उन्नयन एवं आधुनिकीकरण, नए सब-स्टेशनों के निर्माण तथा SCADA और DMS/OMS जैसी आधुनिक तकनीकों के कार्यान्वयन से जुड़े प्रस्तावों को मंजूरी दी गई। इन कार्यों

से बिजली आपूर्ति व्यवस्था में सुधारिकरण होगा। पर्यावरण संरक्षण की दिशा में हरियाणा के एनसीआर जिलों में वायु गुणवत्ता निगरानी केंद्र स्थापित करने से संबंधित प्रस्ताव को भी स्वीकृति प्रदान की गई। नायब सैनी ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी विकास कार्य निर्धारित मानकों के अनुरूप उच्च गुणवत्ता के साथ समयबद्ध तरीके से पूरे किए जाएं। उन्होंने निर्माण कार्यों में तकनीकी मानकों का कड़ाई से पालन करने और कार्यों की नियमित निगरानी सुनिश्चित करने पर बल दिया।

को कर्म का संदेश दिया, जबकि राखीगढ़ी ने हजारों वर्ष पहले की सभ्य मानव संस्कृति को उजागर किया है। यहां मानव जीवन, शिल्प, कृषि और सामुदायिक व्यवस्था के विकास की महत्वपूर्ण कहानी धरती की परतों में सुरक्षित है। यहां मिले मिट्टी के बर्तन, मनके, मुहरें और शिल्प से जुड़ी वस्तुएं हमारे पूर्वजों की सृजनशीलता का परिचय देती हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि इतिहास की साक्ष्यता उससे मिलने वाली सीख में भी है। राखीगढ़ी की सुनिर्वाचित बस्ती हमें यह सोचने का अवसर देती है कि हम अपने गांवों और शहरों को अधिक स्वच्छ,

संवेदनशील और कृति के अनुकूल कैसे बनाएं। उन्होंने युवाओं से अपनी विरासत को जानने और उसकी सही जानकारी आगे पहुंचाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि भाषण सीधें, संवाद का कोशल बढ़ाएं और डिजिटल माध्यमों पर राखीगढ़ी की प्रामाणिक कहानी पहुंचाएं। विद्यालयों में राखीगढ़ी विषय पर प्रश्नोत्तरी जैसी गतिविधियां भी इस दिशा में उपयोगी पहल हैं। मुख्यमंत्री ने शिक्षकों और अभिभावकों से बच्चों को स्थानीय विरासत से परिचित कराने तथा ऐतिहासिक स्थलों और संग्रहालयों तक लेकर जाने का आग्रह

नशामुक्ति केंद्रों में डॉक्टर, दवाइयों और पुनर्वास सुविधाओं का अभाव सरकार की विफलता : कुमारी सैलजा



पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष रामशरण नौटियाल की कांग्रेस में घर वापसी

उत्तराखंड के देहरादून जिला पंचायत के पूर्व अध्यक्ष रामशरण नौटियाल ने सोमवार को कांग्रेस में घर वापसी की। नई दिल्ली स्थित अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के मुख्यालय में आयोजित पत्रकार वार्ता के दौरान कांग्रेस की राष्ट्रीय महासचिव, उत्तराखंड प्रभारी एवं सिरसा की सांसद कुमारी सैलजा ने रामशरण नौटियाल को कांग्रेस का पटका पहनाकर पार्टी में शामिल कराया। इस अवसर पर उत्तराखंड प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गणेश गोदियाल, विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष यशपाल आर्य सहित अनेक वरिष्ठ कांग्रेस नेता उपस्थित रहे।

पांच वर्षों के दौरान करीब 1.84 लाख युवाओं ने उपचार करवाया है। प्रदेश में 134 पंजीकृत नशामुक्ति केंद्र हैं, जिनमें केवल 26 सरकारी हैं। कई केंद्रों में पर्याप्त चिकित्सक, प्रशिक्षित

कर्मचारी, दवाइयां और आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध नहीं हैं। यह स्थिति सरकार की नशामुक्ति नीति और स्वास्थ्य सेवाओं की गंभीर खामियों को उजागर करती है। सांसद ने कहा

कि सबसे चिंताजनक बात यह है कि जो युवा स्वयं नशा छोड़कर सामान्य जीवन में लौटना चाहते हैं, उन्हें भी समुचित उपचार, काउंसलिंग और पुनर्वास की सुविधाएं नहीं मिल पा रही हैं। निजी नशामुक्ति केंद्रों में उपचार पर भारी खर्च होने से गरीब और मध्यमवर्गीय परिवार आर्थिक संकट झेल रहे हैं।

कुमारी सैलजा ने कहा कि कांग्रेस की नीति युवाओं को नशे से बचाकर शिक्षा, रोजगार और सम्मानजनक जीवन के अवसर उपलब्ध कराने की रही है। नशे की समस्या केवल पुलिस कार्रवाई से समाप्त नहीं होगी। इसके लिए नशा तस्करो के रितलाफ कठोर कार्रवाई, रोजगार के अवसर, मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं और सामाजिक जागरूकता को प्राथमिकता देनी होगी। सांसद ने मांग की कि प्रत्येक जिले में सरकारी नशामुक्ति सुविधाओं का विस्तार किया जाए।

विकास कार्यों को गुणवत्ता के साथ तय समय में किया जाए पूरा, लापरवाही करने पर होगी कार्रवाई-चेयरपर्सन मोनिका दहिया

ओपन सर्व ब्यूरो

सोनीपत। जिला परिषद की चेयरपर्सन मोनिका दहिया ने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सैनी के नेतृत्व में हरियाणा सरकार ग्रामीण क्षेत्रों के विकास पर विशेष ध्यान दे रही है। सरकार का उद्देश्य गांवों में मूलभूत सुविधाओं को मजबूत करना और ग्रामीणों को बेहतर मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध करवाना है, ताकि गांव विकास की राह पर तेजी से आगे बढ़ सकें।

उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि गांवों में चल रहे विकास कार्यों को निर्धारित समय सीमा में पूरा करवाना सुनिश्चित करें और प्रत्येक कार्य में गुणवत्ता के मानकों का विशेष ध्यान रखें। विकास कार्यों में किसी भी प्रकार की लापरवाही या गुणवत्ता संबंधी कमी मिलने पर संबंधित



अधिकारियों को विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की जाएगी। जिला परिषद चेयरपर्सन मोनिका दहिया ने सोमवार को जिला परिषद सभागार में अधिकारियों और जिला पार्षदों के साथ बैठक कर ग्रामीण विकास कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि गांवों में विकास कार्यों को गति देने के लिए अधिकारियों

- **गांवों में मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध करवाने, नहरों और सड़कों के किनारों की सफाई तथा कार्यों की एटीआर समया पर मेजरने के लिए गए निर्देश**
- **जिला परिषद चेयरपर्सन मोनिका दहिया ने जिला परिषद हॉल में की अधिकारियों और जिला पार्षदों के साथ की समीक्षा बैठक**

किया जाए, उसकी जानकारी संबंधित जिला पार्षद को अवश्य दी जाए। इससे जनप्रतिनिधियों को कार्य की जानकारी रहेगी और स्थानीय स्तर पर आने वाली समस्याओं का समय रहते समाधान किया जा सकेगा।

उन्होंने कहा कि आपसी समन्वय से कार्यों में अनावश्यक देरी को रोक़ा जा सकता है और विकास योजनाओं का लाभ ग्रामीणों तक समय पर पहुंचाया जा सकता है। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि गांवों में चल रहे विकास कार्यों की नियमित निगरानी करें तथा यह सुनिश्चित करें

के मानचित्र पर प्रमुख स्थान देने के लिए कई ठेस कदम उठाए गए हैं। राखीगढ़ी को यूनेस्को की विश्व धरोहर सूची में शामिल कराने का प्रयास किया जा रहा है। यहां के अवशेषों पर गहन शोध के लिए राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय विशेषज्ञों को आमंत्रित किया गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि यहां संग्रहालय एवं इंटरप्रेटेशन सेंटर के निर्माण का सिविल कार्य लगभग पूरा हो चुका है। अगले चरण में लगभग 188 करोड़ रुपये की लागत से इसे विश्वस्तरीय बनाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि सरकार ने सरस्वती-सिंधु सभ्यता कोरिडोर विकसित करने की परिकल्पना भी की है। इसके माध्यम से महत्वपूर्ण पुरातात्विक स्थलों के बीच पर्यटन की दृष्टि से बेहतर संपर्क और समन्वय विकसित करने का प्रयास होगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि राखीगढ़ी के अलावा प्रेश के अन्य पुरातात्विक महत्व के स्थलों के विकास के लिए भी प्रयास किए जा रहे हैं। पुरानी तहसील बिल्डिंग नूंह, लोहारू के किले और तावड़ू के मकबरा परिसर को राज्य संरक्षित स्मारक घोषित किया गया है।

पंचकूला के सेक्टर-5 में स्टेट ऑफ आर्ट पुरातात्विक संग्रहालय स्थापित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि प्राचीन संस्कृति के संरक्षण और उसकी पहचान के लिए सभी राज्य संरक्षित स्मारकों की योजना और बाहरी डिजाइन की रूपरेखा तैयार करने की परियोजना शुरू की गई है। हरियाणा की कला एवं सांस्कृतिक विरासत को सुरक्षा, संरक्षण, बढ़वा और प्रोत्साहन देने के लिए राज्य कला एवं संस्कृति नीति ‘कलश’ बनाई गई है। मुख्यमंत्री नायब सैनी ने कहा कि भारतीय संस्कृति की धरोहरों को संरक्षित कर आने वाली पीढ़ियों को अपनी परंपराओं से अवगत कराना सरकार की प्रतिबद्धता है। इसी दिशा में कुरुक्षेत्र की धरा पर अंतरराष्ट्रीय गीता जयंती महोत्सव का आयोजन किया जाता है। उन्होंने कहा कि सरकार अपनी विरासत और धरोहर को संरक्षक उसके आधार पर आधुनिक हरियाणा के निर्माण में लगी है। स्थलों को ‘आइकॉनिक साइट’ के रूप में विकसित करने की घोषणा की गई थी, उनमें राखीगढ़ी भी शामिल है। उन्होंने कहा कि राखीगढ़ी को पर्यटन

हरियाणा के निजी मेडिकल व पैरामेडिकल कॉलेजों को सख्त निर्देश

ओपन सर्व ब्यूरो

चंडीगढ़। हरियाणा चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान निदेशालय ,पंचकुला ने राज्य के सभी निजी मेडिकल, डेंटल, नर्सिंग, फिजियोथेरेपी और पैरामेडिकल कॉलेजों तथा संस्थानों के लिए महत्वपूर्ण सख्त दिशा-निर्देश जारी किए हैं। चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान निदेशक धीरेन्द्र खड़गट्टा (आईएएस) द्वारा जारी इस आदेश में सभी संबंधित संस्थानों को सरकार द्वारा संबंधित पाठ्यक्रमों एवं शैक्षणिक सत्रों के लिए निर्धारित व अनिश्चित फीस संरचना का कड़ाई से पालन करने के निर्देश दिए गए हैं।

निदेशालय ने स्पष्ट किया है कि कोई भी निजी संस्थान किसी भी छात्र या उनके माता-पिता/अभिभावक से सक्षम प्राधिकारी द्वारा निर्धारित अधिकृत राशि से अधिक किसी भी नाम या रूप में प्रत्यक्ष अथवा अप्रत्यक्ष रूप से कोई शुल्क, शुल्क-अंश, जमा या अन्य राशि की मांग, संग्रह या वसूली नहीं करेगा। निदेशालय द्वारा

सभी संस्थानों को यह सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं कि सरकार द्वारा निर्धारित फीस संरचना को संस्थान की आधिकारिक वेबसाइट और नोटिस बोर्ड पर प्रमुखता से प्रदर्शित किया जाए। साथ ही छात्र से ली गई प्रत्येक राशि के लिए उचित रसीद जारी करना और वसूल किए गए सभी शुल्कों का पूरा रिकॉर्ड बनाए रखना अनिवार्य किया गया है।

उन्होंने निर्देशों में यह भी चेतावनी दी गई है कि निर्धारित शुल्क संरचना से बचने या उसे घुमा-फिराकर लागू करने के लिए किसी अन्य नाम या व्यवस्था के तहत कोई अतिरिक्त शुल्क नहीं लिया जाएगा। इसके अलावा, किसी भी छात्र या अभिभावक को किसी भी अनाधिकृत राशि के भुगतान के लिए दबाव, उत्पीड़न या किसी अन्य अनुचित व्यवहार का शिकार नहीं बनया जाना चाहिए। निदेशालय ने यह साफ कर दिया है कि निर्धारित शुल्क संरचना का उल्लंघन या इसमें किसी भी प्रकार का विचलन पाए जाने पर इसे अत्यंत गंभीरता से लिया जाएगा।

एशियन पैरा गेम्स : भारत का खाता खुला, मोना अग्रवाल ने गोल्ड और अवनि लेखरा ने जीता सिल्वर

टोयोटा (एजेंसी)

भारतीय शूटर मोना अग्रवाल और अवनि लेखरा ने सोमवार को यहां ऐची प्रीफ. जनरल शूटिंग गैलरी में महिलाओं की 10 मीटर एयर राइफल स्टैंडिंग एसएच1 इवेंट में गोल्ड और सिल्वर मेडल जीता। मोना ने एशियन पैरा गेम्स का रिकॉर्ड 250 का स्कोर बनाकर गोल्ड मेडल जीता, जबकि अवनि ने 249.6 का स्कोर बनाकर सिल्वर मेडल जीता। इन पदकों के साथ एशियन पैरा गेम्स 2026 में भारत का खाता खुला।

दक्षिण कोरिया की युनरी ली ने 227.9 के स्कोर के साथ ब्रॉन्ज मेडल जीता। मोना ने हमवतन अवनि का एशियाड पैरा गेम्स का 249.6 का रिकॉर्ड तोड़ दिया। वह स्लोवाकिया की इरीना शचेतनिक के 252 का वर्ल्ड रिकॉर्ड तोड़ने से चूक गई। अवनि ने इस जीत के साथ 2028 पैरालंपिक गेम्स के लिए कोटा भी हासिल कर लिया है। मोना ने पिछले महीने वर्ल्ड चैंपियनशिप के दौरान अपनी जगह पक्की की थी।

इससे पहले मोना और अवनि ने क्वालीफिकेशन राउंड में भी टॉप किया था। मोना ने छह सीरीज के बाद 629.1 पॉइंट्स के साथ टॉप किया,

एशियन पैरा गेम्स : चीन की मौजूदा वर्ल्ड चैंपियन को हराकर भारतीय जूडोका कोकिला ने फाइनल में जगह बनाई



नागोया (एजेंसी)

भारत की कोकिला ने सोमवार को आइची-नागोया में 2026 एशियन पैरा गेम्स में महिलाओं की जे2-52 किग्रा गोल्ड मेडल बाउट में अपनी जगह पक्की कर ली। उन्होंने सेमीफाइनल में चीन की मौजूदा वर्ल्ड चैंपियन यी लियू को हराया। कोकिला ने 1-0 से जीत हासिल की। फाइनल में पहुंचने के साथ ही कोकिला ने देश के लिए कम से कम सिल्वर मेडल पक्का कर दिया है। सेमीफाइनल में भारत और चीन दोनों ही देशों की जूडोका ने टेक्निकल स्कोरिंग के जरिए बढ़त बनाने की कोशिश की। कोकिला ने



जिससे एशियन पैरा गेम्स का नया क्वालीफिकेशन रिकॉर्ड बना और चीन की झांग कुइपिंग के पिछले मार्क को पीछे छोड़ दिया। अवनि ने 626.4 पॉइंट्स जमा करके क्वालीफिकेशन स्टैंडिंग में दूसरा स्थान हासिल किया, जिससे मेडल तय करने वाले राउंड में भारत के लिए पहला-दो स्थान पक्का हो गया।

इस बीच, मोना ने पिछले महीने चोंगवोन में डब्ल्यूएसपीएस वर्ल्ड चैंपियनशिप में लॉस एंजिल्स पैरालंपिक गेम्स के लिए भारत के लिए पहला कोटा हासिल किया था। 2024 पेरिस पैरालंपिक की ब्रॉन्ज मेडलिस्ट मोना, आर2 विमेंस 10 मीटर एयर

राइफल स्टैंडिंग एसएच1 इवेंट में 250 के स्कोर के साथ दूसरे स्थान पर रही। उनके पीछे, पेरिस गेम्स की गोल्ड मेडलिस्ट अवनि ने चोंगवोन में 229.4 के स्कोर के साथ ब्रॉन्ज मेडल जीता। मोना के पास 2024 पेरिस गेम्स का ब्रॉन्ज मेडल है, जबकि अवनि गेम्स में तीन बार मेडल जीत चुकी हैं। उन्होंने टोक्यो गेम्स के दौरान 50 मीटर राइफल 3 पोजीशन एसएच1 में ब्रॉन्ज मेडल जीता और फिर उसी एडिशन में 10 मीटर एयर राइफल एसएच1 में गोल्ड मेडल जीता। उन्होंने पेरिस पैरालंपिक में 10 मीटर एयर राइफल एसएच1 में गोल्ड मेडल जीता था।

एथलीट आयोग के चुनावों के लिए आईओए की 34 सदस्यीय मतदाता सूची में नीरू, मीराबाइ-सिंधु शामिल

नई दिल्ली (एजेंसी)

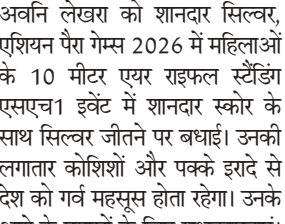
एशियन गेम्स की गोल्ड मेडलिस्ट नीरू बांडा, बैडमिंटन स्टार पी वी सिंधु, ओलंपिक मेडलिस्ट मीराबाई चानू और भारतीय पुरुष हॉकी टीम के कप्तान हरमनप्रीत सिंह को उनके अपने खेल में नेशनल स्पोर्ट्स फेडरेशन ने इलेक्टोरल कॉलेज के लिए चुना है।

3 नवंबर को इंडियन ओलंपिक एसोसिएशन (आईओए) के एथलीट कमीशन के सदस्यों के चयन के लिए इन खिलाड़ियों को चुना गया है। आईओए द्वारा नियुक्त किए गए इलेक्टोरल ऑफिसर संजय के श्रीवास्तव ने शुक्रवार को 34 एथलीट प्रतिनिधियों की सूची जारी की। इलेक्टोरल कॉलेज में 17 एनएसएफ में हर एक से दो नॉमिनी शामिल हैं।

ऑल इंडिया फुटबॉल फेडरेशन, ऑल इंडिया टेनिस एसोसिएशन, बॉक्सिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया और टेबल टेनिस फेडरेशन ऑफ इंडिया



का प्रतिनिधि इसमें शामिल नहीं है। सिंधु और मीराबाई पिछले एथलीट कमीशन का हिस्सा थीं। सितंबर में मंजूर हुए आईओए एथलीट कमीशन नियम के आर्टिकल 10.3 के तहत, हर हिस्सा लेने वाला एनएसएफ सदस्य अपने एथलीट कमीशन के जरिए दो प्रतिनिधि-एक पुरुष और एक महिला-को नॉमिनेट कर सकता है। नॉमिनेटेड एथलीट ऐसे



अवनि लेखरा को शानदार सिल्वर, एशियन पैरा गेम्स 2026 में महिलाओं के 10 मीटर एयर राइफल स्टैंडिंग एसएच1 इवेंट में शानदार स्कोर के साथ सिल्वर जीतने पर बधाई। उनकी लगातार कोशिशों और पक्के इरादे से देश को गर्व महसूस होता रहेगा। उनके आगे के प्रयासों के लिए शुभकामनाएं। खेल मंत्री मनसुख मांडविया ने भी मोना अग्रवाल और अवनि लेखरा को उनकी सफलता के लिए बधाई दी है। मांडविया ने एक्स पर लिखा, डबल पॉइंट्स, डबल प्राइड। मोना अग्रवाल को एशियन पैरा गेम्स रिकॉर्ड 250.0 के साथ गोल्ड जीतने पर और अवनि लेखरा को महिलाओं के 10 मीटर एयर राइफल स्टैंडिंग एसएच1 इवेंट में सिल्वर जीतने पर बहुत-बहुत बधाई।

पैरा एशियन गेम्स : आर्चर शीतल देवी ने बनाया नया एशियन रिकॉर्ड

नागोया (एजेंसी)

भारतीय पैरा-आर्चर शीतल देवी ने आइची प्रीफेक्चर के ओकाजाकी शहर के ओकाजाकी चुओ सोंगो पार्क मल्टीपपस स्क्वायर में चल रहे पैरा एशियन गेम्स में रिकॉर्ड तोड़ परफॉर्मेंस दी। उन्होंने महिलाओं के कंपाउंड क्वालीफिकेशन राउंड में 720 में से 704 स्कोर हासिल करके वर्ल्ड रिकॉर्ड की बराबरी की और एशिया का नया रिकॉर्ड बनाया। शीतल देवी ने पिछले एशियन रिकॉर्ड 698 को छह पॉइंट से पीछे छोड़ा। इस प्रदर्शन के बाद वे भारत के लिए पदक के बड़े दावेदारों में शामिल हो गई हैं। शीतल की इस कामयाबी में हमवतन पायल नाग के क्वालीफिकेशन राउंड का भी हाथ रहा। उन्होंने 675 पॉइंट हासिल कर स्टैंडिंग में संयुक्त रूप से पांचवां स्थान हासिल किया।

इस नतीजे से भारत के दो तीरंदाज इस इवेंट में सबसे अच्छा प्रदर्शन करने वालों में शामिल हो गए। पायल इंटरनेशनल पैरा-आर्चरी सर्किट में एक खास पहचान के तौर पर उभरी हैं। उन्होंने बर्कॉक में 2026 वर्ल्ड आर्चरी पैरा सीरीज में गोल्ड मेडल जीते हैं। उन्होंने इंटरनेशनल कॉम्पिटिशन में शीतल को भी हराया है। इससे महिलाओं की कंपाउंड कैटेगरी में भारत की ताकतवर चुनौती



का पता चलता है। शीतल ने हांगझोऊ 2023 एशियन पैरा गेम्स में महिलाओं के कंपाउंड इंडिविजुअल इवेंट में गोल्ड जीता और फिर 2024 में पेरिस पैरालंपिक में ब्रॉन्ज मेडल जीता। उन्होंने वर्ल्ड चैंपियन का दर्जा भी हासिल किया है, जिससे कम उम्र के बावजूद उन्होंने खुद को खेल के एलीट खिलाड़ियों में शामिल कर लिया है। उनका 704 का क्वालीफिकेशन स्कोर अब उन्हें एलिमिनेशन राउंड में जाने के लिए एक मजबूत प्लेटफॉर्म

देता है, जहां स्टैंडिंग नॉकआउट स्टेज के लिए सीडिंग तय करेगी। वर्ल्ड रिकॉर्ड की बराबरी करने और एशियन मार्क को फिर से बनाने के साथ, शीतल अपने क्वालीफिकेशन-राउंड के बेहतरीन प्रदर्शन को एक और बड़े इंटरनेशनल टाइटल में बदलने की कोशिश करेंगी। भारत को यह भी उम्मीद होगी कि पायल अपना फॉर्म जारी रख पाएंगी क्योंकि दोनों तीरंदाज आइची-नागोया में पॉइंट्स पर जगह बनाने की कोशिश कर रही हैं।

हांगकांग सिक्सेस : गुलबदीन नायब की कप्तानी में अफगानिस्तान टीम घोषित

नई दिल्ली (एजेंसी)

अफगानिस्तान ने हांगकांग सिक्सेस 2026 के लिए गुलबदीन नायब की कप्तानी में सात सदस्यों की एक अनुभवी टीम का ऐलान किया है। यह टीम 30 अक्टूबर से 1 नवंबर तक टिन बर्वांग रोड रिक्रिएशन ग्राउंड में होने वाले टूर्नामेंट में हिस्सा लेगी। गुलबदीन नायब की वाली टीम में फरमानुल्लाह सफी, इमरान मीर, अब्दुल रहमान, करीम जन्नत, नांगेयालिया खारोटे और सैदिकुल्लाह पाचा को जगह मिली है। अफगानिस्तान को ग्रुप डी में दक्षिण अफ्रीका और ओमान के साथ रखा गया है। सिक्स-ए-साइड फॉर्मेट में खेले जाने वाले मैचों में, टीमों को बॉल और फील्ड में डिस्प्लिन बनाए रखते हुए स्कोरिंग के मौके बनाने होंगे। हांगकांग सिक्सेस में हर टीम में छह खिलाड़ी और हर इनिंग में छह ओवर होते हैं।

छोटा फॉर्मेट लंबे समय तक मजबूती के लिए बहुत कम जगह छोड़ता है, जिससे हर तरह का योगदान खास तौर पर कीमती हो जाता है। अफगानिस्तान के कैप्टन में नायब का इंटरनेशनल लेवल पर अनुभव बहुत काम आएगा। टीम का मकसद टूर्नामेंट की जरूरतों के हिसाब से तेजी से ढलना और एक मनोरंजक क्रिकेट देना होगा। अफगानिस्तान के हिस्सा लेने का स्वागत करते हुए, क्रिकेट हांगकांग, चीन के कर्माश्रित और मार्केटिंग डायरेक्टर अनुराग भटनागर ने कहा कि टीम का तरीका टूर्नामेंट की अपील को और बढ़ाएगा। भटनागर ने कहा, अफगानिस्तान लगातार खेल में जबरदस्त ऊर्जा और प्रतियोगी भावना लेकर आई है। हम हांगकांग सिक्सेस 2026 में उनकी टीम का स्वागत करते हुए बहुत खुश हैं।

यह टूर्नामेंट क्रिकेट के उत्साह, मनोरंजन और तेज रफ्तार का जश्न मनाता है। अफगानिस्तान का आक्रामक अंदाज इसमें चार चांद लगाने का वादा करता है। हम टीम का स्वागत करने और फैसले को एक यादगार क्रिकेटिंग अनुभव देने के लिए उत्सुक हैं। हांगकांग सिक्सेस 2026 के लिए अफगानिस्तान की टीम: गुलबदीन नायब (कप्तान), फरमानुल्लाह सफी, इमरान मीर, अब्दुल रहमान, करीम जन्नत, नांगेयालिया खारोटे, सैदिकुल्लाह पाचा।



टीम इंडिया की कमजोरी क्या ?: नंबर-आठ तक बल्लेबाजी के चक्कर में गेंदबाज हो रहे विफल!

नई दिल्ली (एजेंसी)

भारत के महान खिलाड़ी सुनील गावस्कर केरेंटर्डोजेज के खिलाफ हाल ही में समाप्त हुई टी20 सीरीज में टीम के प्रदर्शन से खुश नहीं हैं। उन्होंने मुख्य कोच गौतम गंभीर की रणनीति पर सवाल उठाते हुए कहा कि प्लेइंग इलेवन में आठवें नंबर तक बल्लेबाजी का विकल्प रखने की कोशिश से गेंदबाजी कमजोर हो रही है।

गावस्कर के मुताबिक, भारत को बल्लेबाजी में ज्यादा गहराई के बजाय गेंदबाजी का संतुलन बेहतर करने पर ध्यान देना चाहिए। गावस्कर ने कहा कि भारतीय टीम की प्लेइंग इलेवन में चार विशिष्ट गेंदबाज होने चाहिए, जबकि पांचवें और छठे गेंदबाज की भूमिका ऑलराउंडर निभा सकते हैं।

उन्होंने नमन धीर और अक्षर पटेल का उदाहरण देते हुए कहा कि ये खिलाड़ी गेंदबाजी के साथ बल्लेबाजी में भी योगदान दे सकते हैं। गावस्कर



ने कहा, 'भारत को शुरुआती एकादश में चार नियमित गेंदबाजों की जरूरत है। पांचवें और छठे गेंदबाज ऑलराउंडर हो सकते हैं, जो जरूरत पड़ने पर रन बना सकें। नमन धीर गेंदबाजी भी कर सकते हैं और बल्लेबाजी में भी योगदान देते हैं। अक्षर पटेल भी चार ओवर गेंदबाजी करते हैं। जब आप आठवें नंबर तक बल्लेबाजी रखने की कोशिश करते हैं, तो गेंदबाजी कमजोर हो जाती है।

इसका नतीजा हार के रूप में सामने आता है।' गावस्कर का मानना ​​है कि टीम प्रबंधन हार्दिक पांड्या जैसे खिलाड़ी का विकल्प तलाशने में जरूरत से ज्यादा उलझ रहा है।

हार्दिक बल्लेबाजी और गेंदबाजी दोनों में अहम योगदान देते हैं, लेकिन गावस्कर के मुताबिक उनकी हूबहू जगह लेना आसान नहीं है। उन्होंने कहा, 'हम हार्दिक पांड्या का विकल्प तलाशने में जरूरत से ज्यादा आगे बढ़

रहे हैं। उनकी जगह कोई नहीं ले सकता। अगर आपको उनका विकल्प नहीं मिलता, तो ऐसे खिलाड़ी के साथ जाइए जो थोड़े अलग भूमिका निभा सकें।' गावस्कर ने नमन धीर के प्रदर्शन का हवाला देते हुए कहा कि वह गेंदबाजी में अच्छा कर रहे हैं और पिछली पारी में उन्होंने बल्लेबाजी से भी प्रभावित किया।

उनके मुताबिक, टीम को उपलब्ध खिलाड़ियों की क्षमताओं के आधार पर संयोजन तैयार करना चाहिए। भारत के पूर्व बल्लेबाज चेतेश्वर पुजारा ने भी गेंदबाजी संयोजन पर अपनी राय रखी। उन्होंने कहा कि टीम प्रबंधन को स्पिन गेंदबाजों की भूमिका स्पष्ट करनी होगी और खिलाड़ियों को भरोसा देना होगा कि वे टीम की दीर्घकालिक योजनाओं का हिस्सा हैं। पुजारा ने कहा, 'खिलाड़ियों पर भरोसा जताना होगा। अगर बाउंड्री छेदी हैं, तो कुलदीप यादव हर मैच नहीं खेल सकते।

लाहौर (एजेंसी)

पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने जारी वनडे त्रिकोणीय सीरीज के लिए कमेंट्री पैनल में इंग्लैंड के दो पूर्व कप्तानों नासिर हुसैन और माइकल एथर्टन को जगह नहीं दी है। दोनों के नाम बोर्ड की ओर से घोषित छह सदस्यीय कमेंट्री टीम में शामिल नहीं हैं। यह घटनाक्रम पाकिस्तान के पूर्व कप्तान और जेल में बंद इमरान खान के बेटों के एक इंटरव्यू के प्रसारण के बाद सामने आया है। हालांकि, दोनों कमेंटेटोर्स को बाहर रखने के पीछे बोर्ड ने आधिकारिक तौर पर कोई कारण नहीं बताया है।

इमरान के बेटों के इंटरव्यू पर हुआ था विवाद इंग्लैंड के पाकिस्तान दौरे के दौरान स्कॉर्ड स्पोर्ट्स ने लॉर्ड्स टेस्ट के समय इमरान खान के बेटों कासिम और सुलेमान खान का इंटरव्यू प्रसारित किया था। इस इंटरव्यू को



माइकल एथर्टन ने किया था। इसमें दोनों ने अपने पिता की जेल में स्थिति और स्वास्थ्य को लेकर गंभीर आरोप लगाए थे। कासिम और सुलेमान ने दावा किया था कि अधिकारी उपेक्षा और अलगाव के जरिए उनके पिता को नुकसान पहुंचाने की कोशिश कर रहे हैं।

उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि इमरान खान को एक छोटी कोठी में दिन के 23 घंटे से अधिक समय

अकेले रखा जाता है। दोनों ने बीजा नहीं मिलने की बात भी कही थी। हालांकि, पाकिस्तान सरकार ने इन आरोपों को खारिज करते हुए कहा था कि इमरान के रिश्तेदारों, वकीलों और डॉक्टरों को उनसे मिलने से नहीं रोका गया है। रिपोर्ट्स में उनकी आंखों की रेशमी 75 प्रतिशत तक कम होने का दावा किया गया है, जिससे उनके स्वास्थ्य को लेकर चिंता बढ़ी है। कई पूर्व क्रिकेटर्स ने पहलुओं से नाराज पीसीबी ने स्कॉर्ड स्पोर्ट्स के सामने शिकायत दर्ज कराई थी। बोर्ड ने कथित तौर पर विरोध

पाकिस्तान ने श्रीलंका को 37 रन से हराया : सलमान आगा की टीम में जबरदस्त वापसी

लाहौर (एजेंसी)

पाकिस्तान ने त्रिकोणीय वनडे सीरीज के पहले मुकाबले में श्रीलंका को 37 रन से हराकर जीत के साथ शुरुआत की। रिविwar को रावलपिंडी में खेले गए मुकाबले में सलमान अली आगा ने शानदार वापसी करते हुए शतक लगाया। उन्होंने 90 गेंदों में 107 रन बनाए, जिसकी मदद से पाकिस्तान ने 49.5 ओवर में सभी विकेट खोकर 305 रन बनाए। जबाब में श्रीलंका की टीम 48.1 ओवर में 268 रन पर सिमट गई। पाकिस्तान के कप्तान शाहीन अफरीदी ने तीन विकेट लिए, जबकि नसीम शाह, हरिस रऊफ और



फहीम अशरफ ने दो-दो विकेट हासिल किए। श्रीलंका की ओर से पवन रथनायके ने 79 और जंथिन लियानागे ने 60 रन की पारी खेली, लेकिन टीम को जीत नहीं दिला सके। सलमान अली आगा के लिए यह शतक खास रहा।

आमस्त के अंत में इंग्लैंड दौरे के दौरान उन्हें पाकिस्तान के सात अन्य

क्रिकेटर्स के साथ स्वदेश वापस बुला लिया गया था। उस दौर पर आगा ने पहले टेस्ट में टीम की कप्तानी भी की थी। बाद में उन्हें पाकिस्तान की टी20 टीम की कप्तानी से हटा दिया गया और हाल ही में श्रीलंका के खिलाफ 2-1 से टी20 सीरीज जीतने वाली टीम में भी जगह नहीं मिली। हालांकि, आगा ने घरेलू क्रिकेट में लगातार रन बनाए। इसमें एक तिहाय शतक भी शामिल था। इसी प्रदर्शन के दम पर उन्होंने वनडे टीम में वापसी की और श्रीलंका के खिलाफ शतक जड़कर अपनी उपयोगिता साबित की। पाकिस्तान ने 22वें ओवर में 118 रन पर चार विकेट गंवा दिए थे।

मां बनने के दबाव से परेशान हैं कनिका मान? बिग बॉस में बोली-हमारी कीमत बच्चों से तय करते हैं घरवाले



अभिनेत्री कनिका मान इन दिनों 'बिग बॉस-20' में नजर आ रही हैं। शो के एक एपिसोड में आसिफ खान से बातचीत के दौरान उन्होंने बताया कि कैसे उनके परिवार वाले उनकी कीमत को मां बनने से जोड़ रहे हैं। अभिनेत्री ने मजेदार अंदाज में बताया कि उनके परिवार वाले उन्हें तब तक जीरो ही समझते हैं, जब तक वो दो-तीन बच्चे पैदा नहीं कर देतीं। परिवार की इस सोच पर उन्होंने हंसेते हुए कहा, 'मेरे घरवाले मुझे जीरो गिनते हैं, जब तक मैं उन्हें दो-तीन बच्चे नहीं दे दूंगी, तब तक मैं जीरो ही हूँ।' अभिनेत्री की इस बात पर रिएक्ट करते हुए कंटेस्टेंट और अभिनेता आसिफ ने बताया कि उनकी मां भी अक्सर बच्चे की खाहिश जाहिर करती रहती हैं। उन्होंने बताया कि पहले तो उनकी मां सीधे-सीधे अपनी इच्छा जताती थीं लेकिन अब मजेदार तरीके से इशारों में अपनी बात कहती हैं। आसिफ ने कहा कि उनकी मां अक्सर उनकी प्रोफेशनल उपलब्धियों को नजरअंदाज कर देती हैं और सिर्फ इसी बात पर ध्यान देती हैं कि वो कब पिता बनेंगे। आसिफ ने एक किस्सा सुनाते हुए बताया कि जब उन्होंने और उनके परिवार ने उमराह के लिए टिकट बुक किए थे। इस ट्रिप को लेकर वो काफी एक्साइटेड थे और उन्होंने अपनी मां को बताया कि उनके पास उनके लिए एक अच्छी खबर है, तो उनकी मां ने तुरंत ये मान लिया कि वो पिता बनने वाले हैं। आसिफ कहते हैं, 'एक बार हमने उमराह के लिए टिकट बुक किए और मैंने अपनी मां से चिल्लाते हुए कहा कि 'मम्मी, खुशखबरी, खुशखबरी!' मेरी मम्मी खड़ी हो गईं और बोलीं, 'क्या बात कर रहे हो?' मैंने कहा, 'हम उमराह जा रहे हैं।' मेरी मम्मी फिर से बैठ गईं और बोलीं, 'मुझे लगा तीसरे दिन वाली खुशखबरी होगा।' मैंने कहा, 'मम्मी, इसके अलावा भी कुछ सोच लिया करो। बच्चों के अलावा भी दुनिया में बहुत कुछ है।' उन्होंने आगे कहा, 'यहां आने से पहले मैंने मम्मी से फोन करके कहा था, 'मम्मी, खुशखबरी है।' वो बोलीं, 'मैं अभी खुश हूँ, अब तू मुझे दादी बनाएगा।' मैंने कहा, मैं बिग बॉस में जा रहा हूँ, मम्मी। मैं आपको बता रहा हूँ, मैं बिग बॉस में जा रहा हूँ। (एजेंसी)

बचपन में सीता बनती थीं 'मिर्जापुर' की डिम्पी, हर्षिता गौर ने सुनाई दिल्ली में दशहरा मनाने की यादें

'मिर्जापुर' में डिम्पी पंडित और 'सद्गु हक' में संयुक्ता के किरदार से पहचान बनाने वाली एक्ट्रेस हर्षिता गौर ने बचपन के दिनों में मनाए जाने वाले दशहरे के त्योहार को याद किया। उन्होंने कहा कि बचपन में वह स्कूल और सोसायटी में होने वाले दशहरे के कार्यक्रमों में सीता का किरदार निभाया करती थीं। परिवार के साथ रावण दहन देखने जाना, बड़े-बड़े रावण के पुतले और त्योहार के दौरान पूरे शहर में नजर आने वाला उत्साह उनकी यादों का खास हिस्सा है। हर्षिता ने कहा, 'दिल्ली में दशहरे की अपनी अलग गैनक होती है, खासकर जब आप इसे बचपन की यादों के साथ देखते हैं। मुझे याद है कि बड़े-बड़े रावण के पुतलों को लेकर कितना उत्साह रहता था और त्योहार के दौरान पूरा शहर किस तरह जश्न में डूब जाता था।' एक्ट्रेस ने कहा, 'बचपन में मैं दशहरे पर स्कूल या हमारी सोसायटी के मैदान में होने वाले नाटकों में सीता का किरदार निभाया करती थी। वे यादें आज भी मेरे साथ हैं। परिवार के साथ बाहर जाना, जश्न का हिस्सा बनना और सबके साथ मिलकर त्योहार मनाना, इन सब चीजों ने दशहरे



को मेरे लिए खास बनाया।' अपने पुराने दिनों को याद करते हुए एक्ट्रेस ने कहा कि जिंदगी में आगे बढ़ने के बाद भी बचपन के ये पल हमेशा याद रहते हैं। कई बार साधारण-सी दिखने वाली यादें ही समय के साथ सबसे खास बन जाती हैं। हर्षिता ने कहा, 'आज जब मैं पीछे मुड़कर देखती हूँ, तो इन्हीं छोटे-छोटे पलों को सबसे ज्यादा संजोकर रखती हूँ। बचपन की ये यादें उसके बीत जाने के लंबे समय बाद भी आपके साथ रहती हैं।' वर्कफ्रंट की बात करें तो हर्षिता हाल ही में 'मिर्जापुर: द मूवी' में नजर आई थीं। गुरमीत सिंह के निर्देशन में बनी यह गैंगस्टर ड्रामा फिल्म 'मिर्जापुर' की दुनिया पर आधारित है। फिल्म में पंकज त्रिपाठी, अली फजल, दिव्येंदु, जितेंद्र कुमार और रवि किशन भी अहम भूमिकाओं में हैं। यह फिल्म वेब सीरीज के पहले सीजन की कहानी के दौरान की घटनाओं को दिखाती है। ओटीटी पर हर्षिता क्राइम ड्रामा सीरीज 'वेटिंग है' में भी नजर आई थीं। समीर विद्वास के निर्देशन में बनी इस सीरीज में दिव्येंदु, ध्रुवन अरोड़ा, कुमुद मिश्रा और सुनीता राजवर भी शामिल हैं। (एजेंसी)



शादी के बाद अमेरिका में हाउसवाइफ बन गई थी माधुरी, पति के लिए सुबह उठकर बनाती थीं नाश्ता

बॉलीवुड की धक-धक गर्ल माधुरी दीक्षित ने अपनी एक्टिंग और डांस से लाखों लोगों का दिल जीता। हालांकि, शादी के बाद एक्ट्रेस ने अपनी जिंदगी में बड़ा बदलाव किया और पति डॉ. श्रीराम नेने के साथ अमेरिका शिफ्ट हो गईं। उस दौरान माधुरी ने घर संभालने से लेकर पति के लिए सुबह जल्दी उठकर नाश्ता बनाने तक की जिम्मेदारी निभाई। एक्ट्रेस ने दिग्गज अभिनेत्री सिमी ग्रेवाल के चैट शो में अपनी मैरिड लाइफ से जुड़ी कई बातें शेयर की थीं। सिमी ग्रेवाल के साथ बातचीत में माधुरी ने बताया कि वह पति श्रीराम नेने के लिए सुबह साढ़े पांच बजे उठकर नाश्ता बनाती थीं। उस समय उनके पति

कार्डियोवैस्कुलर सर्जरी करते थे और उन्हें अपने तय ऑपरेशन के लिए जल्दी अस्पताल निकलना पड़ता था। ऐसे में वह सुबह उठकर उनके लिए नाश्ता तैयार करती थीं और फिर कुछ देर आराम करने के लिए वापस सो जाती थीं। अमेरिका में अपनी जिंदगी के बारे में बात करते हुए माधुरी ने कहा था, 'मेरे पति सर्जरी करते थे, तब मैं उनके लिए नाश्ता बनाती थी। मैं सुबह साढ़े पांच बजे उठती थी और उनके लिए नाश्ता तैयार करती थी। इसके बाद वह काम पर चले जाते थे और मैं कुछ देर के लिए वापस सो जाती थी। मैंने उस जिंदगी के हर पल को एंजाय किया।' माधुरी की बात करें तो

उन्होंने 17 अक्टूबर 1999 को दक्षिणी कैलिफोर्निया में डॉ. श्रीराम नेने के साथ पारंपरिक रीति-रिवाजों से शादी की थी। शादी के बाद एक्ट्रेस पति के साथ अमेरिका में रहने लगीं। इस कपल ने साल 2003 में अपने पहले बेटे एरिन का स्वागत किया। इसके दो साल बाद 2005 में उनके घर दूसरे बेटे रायन का जन्म हुआ। शादी के बाद माधुरी ने कुछ समय तक फिल्मों से दूरी बनाए रखी। हालांकि, साल 2007 में उन्होंने म्यूजिकल एंटरटेनर फिल्म 'आजा नचले' से बॉलीवुड में वापसी की। इसके बाद एक्ट्रेस ने फिल्मों और टीवी की दुनिया में फिर से अपनी पहचान बनाई। हाल ही में वह ओटीटी पर

रिलीज हुई फिल्म 'मां बहन' में नजर आईं। सिमी ग्रेवाल के शो में माधुरी ने बताया कि आखिर डॉ. श्रीराम नेने की कौन-सी बात उन्हें पसंद आई थी। दिलचस्प बात यह है कि जब दोनों पहली बार मिले थे, तब श्रीराम नेने को माधुरी की स्टारडम के बारे में ज्यादा जानकारी नहीं थी। उन्होंने माधुरी की कोई फिल्म तक नहीं देखी थी। माधुरी ने बताया था, जब आप किसी पार्टनर से मिलते हैं, तो आपको कुछ समानताएं जरूर मिलती हैं। उन्हें मेरे बारे में जो बात पसंद आई, वह यह थी कि मैं किसी की मदद के लिए अपनी तरफ से हर संभव कोशिश करती हूँ। (एजेंसी)



'डायबिटीज मेरी जिंदगी का हिस्सा है, पूरी पहचान नहीं', ऐश्वर्या सखुजा ने बयां किया 10 साल का अनुभव

'सास बिना ससुराल', 'मैं ना भूलूंगी', 'त्रिदेविया' और 'रिश्ता डेंट कॉम' जैसे शो में नजर आ चुकीं टीवी एक्ट्रेस ऐश्वर्या सखुजा पिछले 10 साल से टाइप-1 डायबिटीज से जूझ रही हैं। इस बीमारी को लेकर उन्होंने बताया कि उन्हें शुरुआत में गलत बीमारी बताई गई थी। बाद में पता चला कि वह टाइप-1 डायबिटीज से जूझ रही हैं। एक्ट्रेस ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट शेयर कर बताया कि पिछले 10 साल उनके लिए इंसुलिन लेने, अपनी बाँड़ी को समझने और लाइफस्टाइल में बदलाव करने का सफर रहा है। डायबिटीज को मैनेज करना कई बार थका देने वाला रहता है। ऐश्वर्या ने इंस्टाग्राम पर लिखा, '10 साल पहले मेरी बीमारी का गलत पता लगाया गया था। जब तक मुझे समझ आया कि मेरी बाँड़ी के साथ क्या हो रहा है, तब तक मुझे अंदाजा भी नहीं था कि मेरी जिंदगी इस तरह बदलने वाली है और मुझे हर दिन इसके साथ तालमेल बिठाना पड़ेगा। आज टाइप-1 डायबिटीज के साथ जीते हुए मुझे 10 साल पूरे हो गए हैं।' उन्होंने आगे लिखा, '10 साल से इंसुलिन ले रही हूँ। 10 साल से अपनी बाँड़ी को समझ रही हूँ। इस दौरान कई डर-चढ़ाव आए, बहुत कुछ सीखा, कई बार निराशा हुई और धीरे-धीरे चीजों को समझना पड़ा। इन 10 सालों में मैंने अपना ख्याल रखने की कोशिश की है। उन दिनों में भी जब खुद की देखभाल करना किसी फुल-टाइम जॉब जैसा लगता है।' एक्ट्रेस ने लिखा, 'मैंने एक्ससाइज की है और अपने खाने को लेकर भी ध्यान रखा है। मैंने सीखा है कि अपना ख्याल रखने का मतलब परफेक्ट होना नहीं है। (एजेंसी)

भारत-अमेरिका व्यापार समझौता अंतिम चरण में, जल्द हो सकता है ऐलान : मार्को रुबियो

नई दिल्ली (एजेंसी)

अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने सोमवार को कहा कि अमेरिका भारत के साथ व्यापार समझौते को अंतिम रूप देने के बेहद करीब है। भारत की अपनी यात्रा से एक दिन पहले उन्होंने कहा कि दोनों देशों के बीच प्रस्तावित समझौते पर अधिकांश काम पूरा हो चुका है। भारत दौर से पहले रुबियो ने कहा, हम इस समय भारत के साथ एक व्यापार समझौते को अंतिम रूप देने की कोशिश कर रहे हैं। हम ऐसा करने के बहुत करीब हैं। रूसी तेल और गैस के मुद्दे पर रुबियो ने कहा कि वैश्विक आपूर्ति और कीमतों पर पड़ रहा था। हमें इन सभी कारकों का संतुलन बनाना होता है। हम इस समय भारत के साथ व्यापार समझौते को अंतिम रूप देने की प्रक्रिया में हैं और इसके काफी करीब हैं। यही वे पहलू हैं, जिन पर राष्ट्रपति राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ी छूट या इसी तरह के फैसले लेते समय विचार



प्रतिबंधों में छूट देनी पड़ी क्योंकि उनका असर वैश्विक आपूर्ति और कीमतों पर पड़ रहा था। हमें इन सभी कारकों का संतुलन बनाना होता है। हम इस समय भारत के साथ व्यापार समझौते को अंतिम रूप देने की प्रक्रिया में हैं और इसके काफी करीब हैं। यही वे पहलू हैं, जिन पर राष्ट्रपति राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ी छूट या इसी तरह के फैसले लेते समय विचार

करते हैं। प्रत्येक देश के सामने अलग-अलग और जटिल परिस्थितियाँ होती हैं। भौगोलिक वास्तविकताएं भी महत्वपूर्ण होती हैं। कुछ देशों के लिए वैकल्पिक ऊर्जा स्रोतों तक पहुंच बनाना बेहद कठिन होता है। यह कोई बहाना नहीं है, लेकिन विदेश नीति बनाते समय इन सभी बातों के बीच संतुलन बनाना पड़ता है। भारत और अमेरिका पहले

चरण के व्यापार समझौते को अंतिम रूप देने के करीब पहुंच चुके हैं। हालांकि डेयरी क्षेत्र तक पहुंच का मुद्दा अब भी सबसे बड़ी बाधा बना हुआ है। इस बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने 'लिंडसे ओ. ग्राहम सेंकशनिंग रशिया एंड इरान एक्ट' को लागू करने संबंधी आदेश पर हस्ताक्षर किए हैं और रूसी तेल खरीदने वाले देशों पर लगाए जाने वाले शुल्कों में छूट दी है। इस व्यापार समझौते का मूल उद्देश्य भारत से निर्यात होने वाले उत्पादों पर अमेरिका में कम और स्थिर शुल्क सुनिश्चित करना है। इसके बखले भारत में अमेरिकी उत्पादों को व्यापक बाजार पहुंच उपलब्ध कराई जाएगी। फरवरी में घोषित रूपरेखा के तहत अमेरिका ने भारतीय वस्तुओं पर लगाए जाने वाले पारस्परिक शुल्कों को 25 प्रतिशत से घटाकर 18 प्रतिशत कर दिया था।

फोनपे ने निवेश मंच शेयरडॉटमार्केट को 'फोनपे इन्वेस्ट' के रूप में किया पेश

नई दिल्ली (एजेंसी)

डिजिटल भुगतान एवं वित्तीय प्रौद्योगिकी क्षेत्र की प्रमुख कंपनी फोनपे ने अपने निवेश एवं कारोबार मंच शेयरडॉटमार्केट को फोनपे इन्वेस्ट के रूप में पेश करने की सोमवार को घोषणा की। इसके साथ ही यह मंच फोनपे ब्रांड के तहत आ गया है। कंपनी ने कहा कि शेयरडॉटमार्केट से फोनपे इन्वेस्ट में बदलाव के जरिये शोध आधारित संपत्ति प्रबंधन सेवाओं को फोनपे के एकीकृत वित्तीय प्रणाली में शामिल किया गया है। इसमें भुगतान, कर्ज और बीमा सेवाएं भी शामिल हैं। इससे कंपनी की संपत्ति



प्रबंधन सेवाएं अधिक लोगों तक पहुंच सकेगी और फोनपे के बड़े एवं विविध उपयोगकर्ता आधार के लिए निवेश करना आसान होगा।

कंपनी बयान के अनुसार, 'निवेश से जुड़े लेनदेन तक सीमित रहने के बजाय 'पोर्टफोलियो ऑप्टिमाइजर' निवेश की पूरी यात्रा में मदद करता है। यह आसान माध्यमों के जरिये नए निवेशकों का मार्गदर्शन करता है

जबकि अनुभवी निवेशकों को उनके पोर्टफोलियो के बारे में विस्तृत और उपयोगी जानकारी देता है।' फोनपे के संस्थापक एवं मुख्य प्रौद्योगिकी एवं उत्पाद अधिकारी (सीपीटीओ) राहुल चार्ग ने कहा, फोनपे इन्वेस्ट हमारी संपत्ति प्रबंधन सेवाओं के विकास में एक महत्वपूर्ण कदम है। संपत्ति प्रबंधन और शेयर कारोबार मंच को फोनपे ब्रांड के तहत एकीकृत करने के साथ यह नई पहचान सभी भारतीयों के लिए समझदारी से निवेश को सुलभ बनाने की हमारी महत्वाकांक्षा को दर्शाती है, ठीक उसी तरह जैसे हमने भारत में भुगतान व्यवस्था को सभी के लिए सुलभ बनाया।

जापान उगते सूर्य का देश है और गुजरात उभरते अवसरों की भूमि : संघवी

गांधीनगर (एजेंसी)

वाइस्रेंट गुजरात ग्लोबल समिट अंतर्गत जापान यात्रा पर गए राज्य के उपमुख्यमंत्री हर्ष संघवी ने सोमवार को ओसाका में जापान के अग्रणी उद्योगपतियों तथा निवेशकों के साथ एक उच्च स्तरीय 'इन्वेस्ट इन गुजरात' राउंडटेबल बैठक आयोजित की। गुजरात तथा जापान के बीच आर्थिक संबंधों को नई ऊंचाइयों तक ले जाने और परस्पर समृद्धि के लिए रणनीतिक साझेदारी को अधिक मजबूत बनाने के उद्देश्य से इस बैठक का आयोजन किया गया। राउंडटेबल कॉन्फ्रेंस में उपस्थित वैश्विक उद्योग जगत के प्रतिनिधियों को संबोधित करते हुए उपमुख्यमंत्री ने महात्मा गांधी



तथा सरदार पटेल की भूमि गुजरात की ओर से उनका हार्दिक स्वागत किया। उन्होंने कहा कि जापान उगते सूर्य का देश है और गुजरात उभरते अवसरों की भूमि है। भारत एवं जापान के बीच केवल व्यापारिक संबंध ही नहीं हैं,

बल्कि दोनों देश परस्पर विश्वास, सम्मान और मूल्यों के साथ-साथ साझा संस्कृति भी रखते हैं। दोनों देशों की मित्रता सदियों पुरानी है और आज हमारे सामने विकास के असीमित नए अवसर उपलब्ध हैं।

गुजरात की आर्थिक क्षमता एवं औद्योगिक गतिशीलता के आंकड़े प्रस्तुत करते हुए उपमुख्यमंत्री हर्ष संघवी ने कहा कि देश की केवल 5 प्रतिशत जनसंख्या वाला गुजरात भारत की जीडीपी में 8 प्रतिशत से अधिक का योगदान देता है। देश के कुल औद्योगिक उत्पादन में गुजरात की हिस्सेदारी 18 प्रतिशत है, जबकि भारत के कुल निर्यात का लगभग एक-तिहाई (1/3) निर्यात अकेले गुजरात से होता है। इसके अतिरिक्त, भारत के कुल कार्गो हैंडलिंग का 40 प्रतिशत हिस्सा गुजरात के बंदरगाहों के माध्यम से संचालित होता है और राज्य की 65 प्रतिशत ऊर्जा औद्योगिकीय उर्जा स्रोतों से प्राप्त होती है। उन्होंने कहा कि

गुजरात यानी 'स्पेड, स्केल और स्टेबिलिटी' गुजरात में निर्णय तेजी से लिए जाते हैं और नीतियां अत्यंत पारदर्शी एवं स्पष्ट हैं। गुजरात पूरे भारत का प्रवेश द्वार है और भारत दुनिया के लिए प्रवेश द्वार है। जापान तथा गुजरात के बीच संबंधों का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि सुजुकी, बुलेट ट्रेन परियोजना और जापानी औद्योगिक पार्क यह सिद्ध करते हैं कि जापान गुजरात में पहले से ही अपने घर जैसा माहौल महसूस करता है। भविष्य के विकास की रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए उन्होंने कहा कि सेमीकंडक्टर, ग्रीन एनर्जी, इलेक्ट्रिक व्हीकल्स (ईवी) और इलेक्ट्रॉनिक्स जैसे भविष्य के अत्याधुनिक क्षेत्रों का केंद्र आज गुजरात बन रहा है।